ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

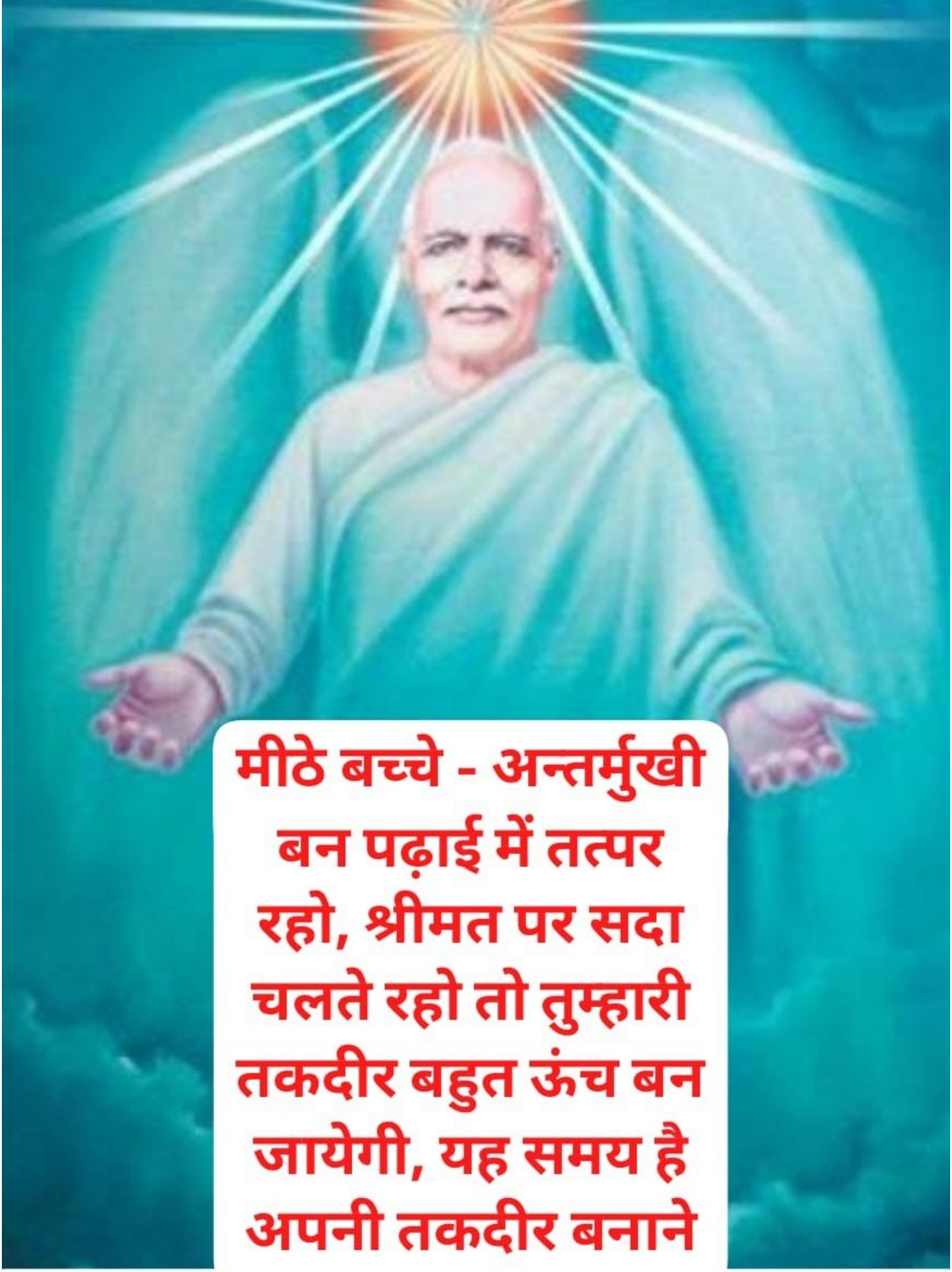

मीठे बच्चे - अन्तर्मुखी बन पढ़ाई में तत्पर रहो, श्रीमत पर सदा चलते रहो तो तुम्हारी तकदीर बहुत ऊंच बन जायेगी, यह समय है अपनी तकदीर बनाने का

परमात्म इशारे

कई बार एक छोटी-सी भूल हमें
हमारी मंज़िल से दूर कर देती है।
एक इच्छा हमें अपने मार्ग से भटका देती है।
कौन-सी इच्छा ?
कि थोड़ा ठीक मैं होऊँ,
तो थोड़ा ठीक सामने वाला भी हो जाए...!
परन्तु, हमें दूसरे को नहीं देखना,
अपना रोल सही तरह निभाना है।

Peace of Mind
CH. 1221 d2h
CH. 1087 dishtv
CH. 1065 TATA PLAY
CH. 678 airtel digital TV
CH. 496 SUN DIRECT
CH.235 JioTV

अव्यक्त शिक्षाएँ

हर बात में दृढ़ संकल्प वाले बनो। कुछ भी सहन करना पड़े, सामना करना पड़े लेकिन श्रेष्ठ कर्म वा श्रेष्ठ परिवर्तन करना ही है। इसमें पुरुषार्थी शब्द को अलबेले रूप में यूज़ नहीं करो। पुरुषार्थी हैं, चल रहे हैं, कर रहे हैं, करना तो है, यह अलबेलेपन की भाषा है। उसी घड़ी पुरुषार्थी शब्द को अलबेले रूप में यूज़ नहीं करो। उसी घड़ी पुरुषार्थी शब्द के अर्थ स्वरूप में स्थित हो जाओ।

अ.बापदादा-27.04.83

श्रेष्ठ प्रेरणा

जीवन में कुछ भी करें.. बस एक बात याद रखें कि... अगर आप सत्य के साथ हैं... तो ईश्वर सदा आपके साथ हैं...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

Self Management

जीवन में जब समस्याएं इतनी बढ़ जाए कि सांस लेना भी दुश्वार हो जाए तो समझ लेना कि शिव बाबा चाहता है कि उनके बच्चे जीते जी मर जाए। क्योंकि इंसान को जीवन में दुख और तकलीफ़े तब तक ही महसूस होती है जब तक वह जीवित है। शरीर छोड़ने के बाद व्यक्ति अपने जीवन की सर्व समस्याओं से स्वतः मुक्त हो जाता है।

जब हम अपने आपको इस जीवन से ही मुक्त कर लेते हैं तो बड़ी से बड़ी समस्या भी हमें दुख या परेशानी का अहसास नहीं करा पाती क्योंकि 'ना रहेगा बांस ना बजेगी बांसुरी'। कबीर दास जी ने भी कहा है कि "जित मरने से जग डरे, मेरे मन आनंद, मरने ते ही पाइए पूर्ण परमानंद" अर्थात् जब हम अपने आपको जीते जी संसार से मुक्त कर लेते हैं तभी हमें परमानंद की प्राप्ति होती है।

Om Shanti

लोग मेरे अनुसार नहीं हो सकते।
हर एक के संस्कार अलग अलग हैं।
परमात्मा मेरा भाग्य नहीं लिखते।

जो हो रहा है, मेरे कर्मों अनुसार है।
मेरा भाग्य मेरे आज के कर्म लिखते हैं।
मैं शक्तिशाली पवित्र आत्मा हूँ।

हमें यह सारे राज़ मालूम हैं।
राज़ को जानने वाले
कभी ना-राज़ नहीं हो सकते।

"I am a PURE BEING.
I am what I want to see in the world.
I live peace & love...radiate them to the universe.
Whatever may be the situation today...
I respond with compassion and love.

In every scene of my life today
I contribute to creating a peaceful world."

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org